श्री कृष्ण रासपंचामृत,

२७ मई २०१६, राजभवन, गाधोनगर।

डा० जयन्ति रवि, उनके पति, उनकी पुत्री कृपा रवि और उनके पुत्र अदिति रवि ने आज राजभवन मे श्रीकृष्ण की लीलाओ का मनोहारी मचन किया। अदिति रवि ने बासुरी वादन किया और कृपा रवि ने भरत नाट्यम द्वारा श्रीकृष्ण की लीलाओ को प्रस्तुत किया।

श्रीकृष्ण की पाच लीलाओं का रसामृत (श्रीकृष्ण रास पचामृत) श्रोताओ को बाध रखने मे पूर्णरूपेण सफल रहा। श्रीकृष्ण के जीवन के पाच आयामो को कृपा रवि ने नृत्य मुद्राओ के माध्यम से प्रस्तुत किया। ये पाच आयाम है:—बालकृष्ण, लालकृष्ण, गोपालकृष्ण, द्वारिकाधोश, योगेश्वर कृष्ण।

श्रीकृष्ण भारत की अवतार परम्परा मे एसे अवतार हुए है जिनके व्यक्तित्व की मधरता और रसमयता ने कवियो, गायको, नर्तको और मूर्तिकारो सबको प्रेरणा दी है। कला के विविध प्रकारो मे श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व के माधुर्य और लालित्य को साकार किया गया है। कथा, नृत्य, गीत तीनो के सयोग से रसामृत की वर्षा की गई है। कृष्णलीलाओ के माध्यम से कृष्णसुधा की वर्षा कराई गई है।